

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (4513)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: **250**

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 0661968

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Akansh Dhull

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

27/07/2025

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)**

केंद्र
Centre American
Montessori School,
Gurgaon

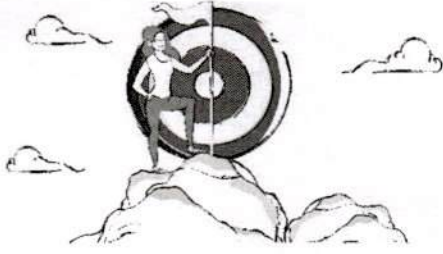
निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
<p>परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)</p>	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (4513)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. (a)

करुणा, दूसरे के दुःख को अपना दुःख मानकर उसे महसूस करने तथा उस संबंध में कार्रवाई करने का साहसी विकल्प है, तब भी जब मौन रहना अधिक सुरक्षित हो और उदासीनता दिखाना अधिक सहज हो। भाद्रत में सिविल सेवकों के लिए एक आवश्यक नैतिक मूल्य के रूप में करुणा के महत्त्व का परीक्षण कीजिए। उपयुक्त उदाहरणों के साथ अपने उत्तर को स्पष्ट कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Compassion is the courageous choice to feel another's suffering as one's own, and to act upon it, even when silence is safer and indifference is easier. Examine the significance of compassion as an essential ethical value for civil servants in India. Illustrate your answer with suitable examples. (Answer in 150 words)

10

Anska

"When they came for socialists, I stayed quiet as I was not socialist, when they came for Jews, I kept quiet , when they came for me there was no one left for me" - Martin Niemöller

The statement talks of inaction leading to Barak of Evil, Nazi Germany. Thus action of compassion is must

Significance of Compassion → for civil servant

① Basis for welfare state and quality of public service delivery

(eg) Tamboli → Aamcho, Aamcho
Aayaj Police, Bastar

② leads to dedication for civil servant (eg) Swindee Meena IAS walking to deliver vaccine in North East

③ Compassion → creates drive → social entrepreneurship

(eg) Anurish Sharan → mobile ambulance for patients

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

④ Ignorance → sensitivity of for vulnerable sections

(eg) PM JANMAN for tribal, tribal Panchsheel → Thus specific policy formation

⑤ Colonial government } Compassion is bridge } Democratic Good Governance
↓
what differentiates

⑥ Compassion → allows to raise voice against wrongdoing (eg) Whistleblower → Snowden / Ashok Khemka

⑦ Compassion → transition of 'Mai Baap culture' to 'Servant leadership'

(eg) NIMHANS → tele mental health counselling; Sarkaar Apke Dwar

⑧ leads to Gandhiji's idea of Antodya → last mile delivery

⑨ Builds trust (eg) DM celebrating Diwali with staff → makes part of one family

Compassion based on Advait idea → no duality between us & them

leads to oneness. If no otherness → automatic Ram Rajya / 2 Rajsheel

1. (b)

भारत में विवाह पारंपरिक संस्कारों से हटकर अधिक स्वायत्त संबंधों की ओर अग्रसर हो रहे हैं, जो लिव-इन रिलेशनशिप की बढ़ती प्रवृत्ति और बढ़ती तलाक दरों से परिलक्षित होता है। इन परिवर्तनों के नैतिक आयामों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Marriages in India are transitioning from traditional sacramental unions to more autonomous relationships, reflected in live-in relationships and rising divorce rates. Discuss the ethical dimensions of these changes. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हार्शिंग में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Ans/B

Recently Supreme Court deliberated on same sex marriage and rise of non traditional families (eg Khushboo vs Konradal case)

Ethical Dimensions with marriage transition : Negative

- ① Commercialisation of marriage (eg Alimony and prenups)
- ② Erosion of idea of Dharma and companionship (eg divorces)
- ③ Rising 'individualism' → against idea of collectivism
- ④ Commodification of marriage
(eg Relationships based on body, 'Secret & Surat')
- ⑤ loss of trust seen → propagation of different interests
- ⑥ Mental health of children
(eg Children born out of wedlock)

⑦ Societal morality questioned ⇒

live in relationship

⑧ Autonomous relationship → promote toxic thoughts (eg ~~Wife~~ Wife Swapping)

- Some positive ethical dimensions
- ① Promotes equality → dignity of women → can assert
 - ② Justice to women → Alimony where they deserve / SDG 5
 - ③ No suppression but empowerment (eg Quit option against domestic violence, mental harassment)

④ Thus women not body / free sexual gratification

⑥ Assertion of equality / Art 14

no discrimination against live in

⑤ Celebration of love (eg Same Sex marriage) ↓ no suppression of individuality → live authentically / Existential idea

Marriage change has dual impact. While we should adopt positive

words of change, we should also not surrender our traditional Indian values

2. (a)

यद्यपि जवाबदेही के लिए प्रायः प्रलेखन आवश्यक होता है, लेकिन नौकरशाही प्रक्रियाओं और अत्यधिक कागजी कार्रवाई पर अधिक बल देने से अनजाने में उन आवाजों को दबाया जा सकता है जिन्हें लोक नीति, विशेष रूप से जमीनी स्तर पर, सशक्त करना चाहती है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ उपर्युक्त कथन का परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

While accountability often necessitates documentation, an overemphasis on bureaucratic procedures and excessive paperwork can inadvertently silence the very voices that public policy intends to empower, particularly at the grassroots. Examine the above statement with suitable illustrations. (Answer in 150 words)

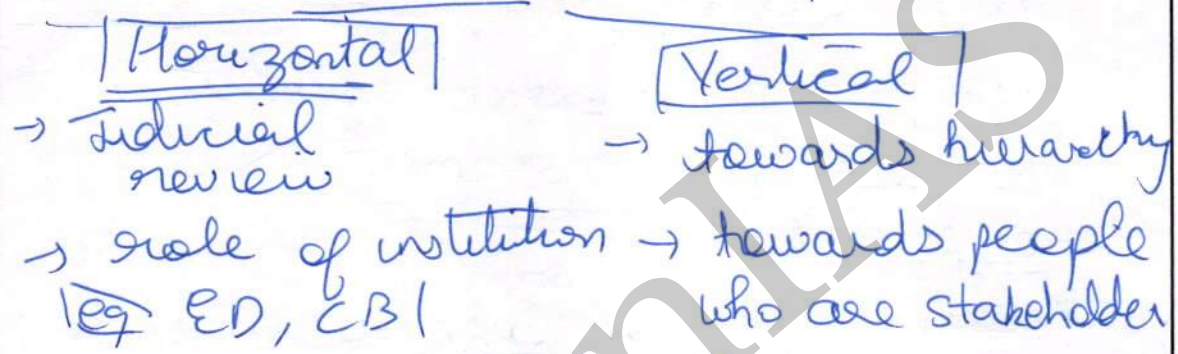
10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Ans 2a

Accountability refers to answerability for final ~~or~~ outcomes

Accountability: To whom?



Accountability to oneself

- Necessitates documentation: why?
- ① Weberian bureaucracy → based on written work
 - ② Easy to fix responsibility
 - ③ No arbitrariness, for rule of law
 - ④ creates long term precedents.

How overemphasis seen?

- ① Iron cage of bureaucracy
(eg) Bureaucrat having process orientation

② Goal displacement

(eg) Not disbursing funds impacting millions due to document lapse)

How silences voices that seeks to serve?

① Economic Survey 2021 → rules are masks for discretion, rent seeking

(eg) Cbse's inspector → bkeba due to myriad of rules

② Threat to vulnerable sections → no awareness (eg) Reject FRA, 2006 claims due to signature)

③ Exclusion from MGNREGA → due to fingerpoint issue → thus no procedural flexibility.

④ 'Banality of Evil' + Thoughtlessness creates evil (eg) Bhitung plant not complying shut down → job losses)

→ ① Go beyond rule → focus on (spirit of law)

How to manage?

→ ② Participative governance) stakeholder role in accountability (eg) Social Audit

Accountability ensures means

led to end (eg) Judiciary over collegium)

Overemphasis will create

'Bhasmasurs')

2. (b)

निष्पक्षता के सिद्धांत का कभी-कभी वंचित समुदायों के प्रति करुणा की आवश्यकता के साथ टकराव हो सकता है। भारत में सिविल सेवाओं के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The principle of impartiality may conflict with the need for compassion towards marginalized communities. Discuss in the context of civil services in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Ans

Impartiality refers to operation without bias. However it should not be seen in negative sense but overarching positive sense.

Impartiality → ① No favoritism among citizens → "Treat like alike"

↳ ② Towards political beliefs

③ Means substantive justice, ~~not~~ impartial

↳ doesn't mean value neutral

↳ Impartial Non partisan

↓

Objective + Empathy → broader meaning of Impartiality

↳ Act 21 dignified living [SC case]

How to apply impartiality so that it doesn't conflict?

① Objectivity (no bias) + Empathy

↳ treat case on merit

Both reinforce each other

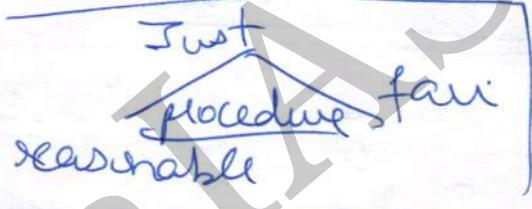
↳ Bureaucrat understanding issues by tribal through stakeholder consultation

② No specialised treatment but collaborative policies (eg Transgender Act and rules through groups)

③ Follow substantive equality (eg Graded response to Disaster -> 1st evacuate elderly, children)

④ No arbitrary action -> Discretion based on national nexus and intelligible differentia

⑤ Kartar Singh case (eg When evictions) follow Olga Tellis -> rehabilitation procedure



⑥ Apply law but sensitivities (eg Op Samadhan -> surrender - rehab)

How to bridge this gap?

- ① Using Emotional Intelligence
- ② Positive orientation and servant leadership model.

"The true art in civil service lies in understanding what to stick and what to forgo"

This is developed on basis of integrity and compassion

3.

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a)

"किसी राष्ट्र की ताकत उसके घर की अखंडता से उत्पन्न होती है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"The strength of a nation derives from the integrity of the home." - Confucius (Answer in 150 words)

10

Ans 3

Confucius highlights how strongest of civilisations or collective units are build by anonymous singular acters.

⇒ Hindi Saying → "Bund Bund Se Sagar Banta"

Meaning of statement | Micro ↓ Macro

- ① Bottom up approach of action
- ② Collective strength of many (eg Indian National Movement)
- ③ crowdfunding efforts → provide alternate solutions

In context of country |

- ① Empowered citizen → nation strength (eg More research → more IPR in China)
- ② Integrity → in terms of virtue ethics → builds 'Rajn Rajya' Idea^L of Utopia

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

③ Social integrity → no fissures in society → fraternity → leads to growth (eg Pluralism in India)

④ Virtue based living → nation needs to invest less in security

(eg Europe → reduce need of security expenditure → as more citizen consciousness)

⑤ Difficulty to enforce laws → need absorption → Thus role of parents → initial agents of change

The larger idea means that the biggest of ideas are built due to strength at the last level

(eg "Sashakt → Sameiddh"
Samaj → Desh - HM Idea

3. (b)

"उसी नियम के अनुसार आचरण करें जिसके बारे में तत्क्षण आप सार्वभौमिक विधि बनाने का संकल्प कर सकें।"-

इमानुएल काण्ट (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Act only according to that maxim through which you can at the same time will that it become a universal law."- Immanuel Kant (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
इस क्राशिय में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

Ans The statement highlight

VisionIAS

उम्मीदवारों को
इस हाशिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

3. (c)

"हम न केवल उसके लिए जिम्मेदार होते हैं जो हम करते हैं, बल्कि उसके लिए भी जिम्मेदार होते हैं जो हम करने में विफल रहते हैं" - मोलियर (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"We are not only responsible for what we do, but also for what we fail to do"- Molière. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हाथिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Ans 3c

"To see wrongdoing and not act is what form of cowardice"
The given quote and this quote highlight importance of action, no compromise ~~with~~ evil and is rooted in existential ethics

① Direct accountability fixed
Responsible for what we do → ② Commission is basis of justice
(eg) Conviction on action not on thought.

Why responsible for failure to do?

① Grave consequences

"All that it takes for evil to thrive over good is for good men to do nothing" - Edmund Burke

(eg) Nazi Germany

② Time for leaders → as ~~as~~ maulders of morality

(eg) Inaction over climate change
Disaster [SDG B]

Death & migration

Thus evasion of trust, responsibility

③. For bureaucrat, 'non performance of duty is also corruption' → as breaks [fiduciary trust]

④ Failure to do → leads to crisis of conscience and dilemma

⑤ Eating junk food, procrastination → depression of exercise & 2 health mental health

⑥ Accountability to oneself

(eg) Media → journalist not doing duty → not speaking truth to power

⑦ with [great power] → comes great responsibility (eg) Duty rights balance

How to make responsible?

① Accountable to own promises

(eg) Leaders → manifesto promised

② Diligence → scrutiny and control for things in control. Ignore external environment

③ Focus and allow [bonafide mistakes]

(eg) No fear of 7C's in bureaucrat

citizen should also be responsible w/

4. (a)

देशभक्ति नैतिक प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करती है, जबकि राष्ट्रवाद प्रायः इसका दमन करता है। अत्यधिक दबाव वाली राष्ट्रीय घटनाओं के दौरान राजनीतिक अभिवृत्तियों के विकास के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा कीजिए। व्यक्ति ऐसी नैतिक अभिवृत्तियों को किस प्रकार विकसित कर सकते हैं, जो राष्ट्रीय हित और नैतिक तर्क के बीच संतुलन स्थापित करें? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Patriotism encourages ethical questioning, while nationalism often suppresses it. Discuss this statement in light of the formation of political attitudes during high-pressure national events. How can individuals develop moral attitudes that balance national interest with ethical reasoning? (Answer in 150 words) 10

"Support your country at all times, while your government when it deserves" - Mark Twain

The statement becomes imperative in times like 10p Sindoor → whether citizens question information or blindly accept

① ^{political} Bias may cloud objective assessment

② Difference between truth and narrative as fake news increasing

Political Attitude in High pressure events

Discussion of statement

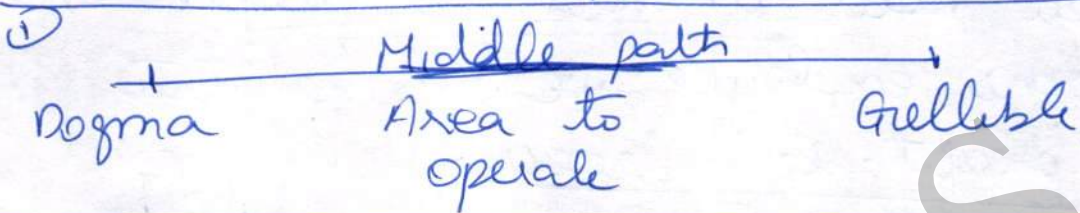
- ① True meaning of being patriotic → is about questioning
- ② love for country → doesn't mean can't question
- ③ Low level of rationality → may lead to national decay
- ④ Healthy criticism blown

out of context: ~~eg~~ Abu Attack
political situation

(5) Unity needed in high stress situations

(eg) All party meeting in Wars)

Individual → developing moral attitude which balances both



② "Gandhiji's idea → feel everyone's breeze → don't get blown"

③ "Wisdom lies in knowing what to stick and what to jingo"

Care values → no question, other ideas criticised



If there is jingoism and blind obedience, either it is suppression [China] or psychopathy
In both cases it is the beginning of end of nations and civilisation
"The art of question is universal but its application is contextual"

उम्मीदवारों को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (b)

चर्चा कीजिए कि निजी संगठनों में कर्मचारी कल्याण और निष्पक्षता को दक्षता एवं लाभप्रदता के साथ किस प्रकार संतुलित किया जा सकता है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how employee well-being and fairness can be balanced with efficiency and profitability in private organisations. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Ans

Companies like Google (Quality of work life) and HUL (Employee first) show how business is people and turns employee well being into a profitable endeavour.

How both can be balanced?

- ① By focusing on long term interests
→ Happy worker → productive worker
- ② Innovation, creativity only if physiological needs fulfilled | Maslow
(eg) Netflix and Airbnb → full discretion to employee to decide schedule
- ③ Employee Wellbeing → creates employee brand → Helps in attracting, retaining talent - Very important for service organisation
- ④ Proven theory → self actualisation only after other needs met
(eg) Govt also providing housing, stability to bureaucrat →

so that they can perform to their best

⑤ If fair HR policies → no trust → reduced attraction deficit

(eg Tata success vs high HR cost for Infosys)

⑥ Employee wellbeing → builds loyalty → employees support company in crisis (eg Organisational Citizenship)

Self pay cut in crisis

⑦ Japanese model → loyalty → give best (eg Quality circles of Toyota)

Way Forward → for Companies

① ~~In~~ Employees not as instruments (eg Byjus toxic targets)

② No downsizing at will → build psychological ownership

③ Employees as partners → ESOP's
FW Taylor's idea of mental revolution

④ Healthy work culture (eg Apple)

Employees are companies biggest assets. Productive use will automatically translate in success

5. (a)

क्या आप इस बात से सहमत हैं कि सोशल मीडिया और उभरती हुई ए.आई. प्रौद्योगिकियों के अत्यधिक उपयोग से किशोरों में भावनात्मक नियमन और नैतिक संवेदनशीलता में कमी आ सकती है? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Do you agree that excessive use of social media and emerging AI technologies may lead to a decline in emotional regulation and moral sensitivity among adolescents? Justify your answer. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हार्जिन में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Ans

As per recent Global Risk Report 2024, empathetic numbing is a big short term risk.

Expansive Social media and AI scope

- ① Increased screen times ; expanded access → 1 Billion mobile | Digital India report
- ② Child cuddling outsourced to screen and mobile, low physical touch
- ③ Bombardment of content

Yes → Decline emotional regulation & moral sensitivity : How ?

- ① Filter bubble → personalised content → reinforce bias → Thus truth as facts
(eg Children think genocide was fake, no empathy)
- ② limited ability to process → develops hard skin as everyday exposure
- ③ Gory and brutal content

displayed in OIT

(7) Empathy → based on feel factor → difficult if interaction is virtual (need physical touch)

(8) Algorithmic amplification → multiply hate and polarisation → This reduce scope (eg Andrew Tate's patriarchy in children)

(9) Post truth and fake news era → empathy is selective; decline of universal values

Way Forward

(1) Regulation of content on social media → no obscene content

(2) Limit screen time (China) eg

(3) Age appropriate classification

(4) Trips to border areas, physical exposure → sensitisation training

(5) Moral and Value education
NEP 2020

Adolescents of today are foundation stone of Viksit Bharat. Thus for 'Sashakt Bharat' we need 'Sashakt' youth

5. (b)

भारत में छात्रों में आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं के आलोक में, चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता (ई.आई.) तनाव और भावनात्मक चुनौतियों के प्रबंधन में किस प्रकार सहायता कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In light of the increasing incidents of suicides among students in India, discuss how Emotional Intelligence (EI) can aid in managing stress and emotional challenges. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस दृष्टि में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Ans

Due to scarcity of marks over integrity (eg Pooja Khedkar), toxic competition (~~quota~~), unreasonable expectations by parents (IAS dream)

and crisis due to narrow perception of good life, suicides are rising

→ ① Ability to regulate ~~as~~ one's feeling, awareness about oneself

What is Emotional Intelligence?

→ ② Ability to understand others feeling, builds empathy and compassion

Role in Managing stress and challenges

① Resilience from failure → disengage from studies → take break

② Ability to introspect about strength and weakness

↳ build targeted strategy

↓
Thus would reduce stress

- ③ Stress → due to overattachment to results → EI can temper expectations [eg] Nishkama Karma
- ④ Stress → due to inaction solved by commitment [eg] Procrastinate solved by EI, delayed gratification)
- ⑤ Emotional support to peer → provide mental comfort to in [failure]
- ⑥ Empathy when needed → normalises other person in weak moment

How to cultivate such EI for stress management

- ① Review notions of success → not goal but duty → "Joy in suffering, in fight, not in victory"
- ② Balanced life → students should develop social skill, distress themselves [eg] Movies)
- ③ Counselling → how to handle relations
- ④ PM Pariksha by Charcha
Parents should take joy in rearing their children and not by instrumentalising them for their success

6. (a)

लोक सेवा में, भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अर्थ भावनाओं को दबाना नहीं, बल्कि समानुभूति और शक्ति के साथ दूसरों से जुड़ने, तनाव या टकराव शांत करने तथा उनका उत्थान करने के इसके उद्देश्य में निपुणता प्राप्त करना है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In public service, emotional intelligence is not about suppressing emotion, but mastering its purpose — to connect, to de-escalate, and to uplift others with empathy and strength. Do you agree with this view? Discuss. (Answer in 150 words) 10

Ansba

"It takes more than intelligence to act intelligently"

Emotional intelligence as per Daniel Goleman is art of understanding emotions of self and others and the ability to regulate one's emotion to advantage.

- Why different in public service?
- ① Multiple stakeholders and competing demand
 - ② "Basis is everyday affair"
(eg Protest for IPS)
 - ③ Overcoming bias → enforce rule of law
(eg SC order of eviction)

Yes → need holistic view

① Connection → (eg Op Samadhan) → focus on surrender and rehabilitation

- builds trust of people
- (eg) Social change against child marriage with community)
 - ③ Empathy → last mile delivery
 - (eg) Dwender Meena → Vaccine delivery in Hills
 - ④ Make person solution oriented
 - (eg) Armstrong Pame → road in IAS North East

VisionIAS

6. (b)

एक कुशल कार्य संस्कृति का निर्माण केवल नियमों पर नहीं, बल्कि साझा मूल्यों पर आधारित होता है। इस संदर्भ में, किसी संगठन के भीतर कार्य संस्कृति को परिवर्तित करने में नेतृत्व और टीम के पारस्परिक व्यवहार के तरीके की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

An efficient work culture is built not only on rules, but on shared values. In this context, evaluate the role of leadership and team dynamics in transforming work culture within an organization. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

उम्मीदवारों को
इस हार्जिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

7.

आप एक राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं। हाल ही में, सरकार ने कई नागरिक-केंद्रित डिजिटल सेवाएं लागू की हैं, जिनके माध्यम से बड़ी मात्रा में निवासियों से व्यक्तिगत डेटा एकत्र किया जा रहा है। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (DPDP) अधिनियम, 2023 के अनुसार, ऐसे डेटा को केवल स्पष्ट और सूचित सहमति के साथ ही संसाधित किया जाना चाहिए और यदि व्यक्ति अपनी सहमति वापस ले लेता है, तो डेटा का संसाधन तुरंत रोकना अनिवार्य है।

एक आंतरिक ऑडिट के दौरान, आपको पता चलता है कि विभाग कई नागरिकों के व्यक्तिगत डेटा को उनके द्वारा अपनी सहमति औपचारिक रूप से वापस लेने के बावजूद संसाधित और विश्लेषित कर रहा है। इस डेटा का उपयोग नीति विश्लेषण और सेवा सुधार जैसे उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है, जो डेटा एकत्र करते समय स्पष्ट रूप से बताए नहीं गए थे। जब आप इस मुद्दे को विभाग प्रमुख के संज्ञान में लाते हैं, तो आपको बताया जाता है कि डेटा संसाधन को रोकने से चल रही डिजिटल पहलें बाधित हो सकती हैं और राज्य स्तर के प्रदर्शन संकेतक प्रभावित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आपको यह भी पता चलता है कि सहमति वापसी की प्रक्रिया अत्यधिक जटिल है और अधिकांश नागरिकों को डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत प्रदत्त अपने अधिकारों की जानकारी नहीं है।

आपको यह भी पता चलता है कि एक प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता व्यक्तिगत डेटा के बिना सहमति के उपयोग के विरुद्ध डेटा संरक्षण बोर्ड में शिकायत दर्ज कराने की योजना बना रहा है, जिससे विभाग के विरुद्ध सार्वजनिक जांच और विधिक कार्रवाई हो सकती है।

- इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों की पहचान करते हुए उन पर चर्चा कीजिए।
- यदि इस मुद्दे का पारदर्शी तरीके से समाधान नहीं किया गया तो विभाग के लिए संभावित परिणाम क्या हो सकते हैं?
- आप कुशल लोक सेवा वितरण की आवश्यकता और नागरिकों के डेटा अधिकारों की सुरक्षा के दायित्व के बीच किस प्रकार संतुलन स्थापित करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are posted as the Joint Secretary in the Department of Information Technology of a state. The government recently implemented several citizen-centric digital services, collecting large volumes of personal data from residents. The Digital Personal Data Protection (DPDP) Act, 2023, requires that such data be processed only with explicit and informed consent, and mandates that processing must cease immediately upon withdrawal of consent.

During an internal audit, you discover that the department continues to process and analyze personal data of several citizens even after they have formally withdrawn their consent. This data is being used for policy analytics and service improvement, purposes not explicitly disclosed at the time of data collection. When you bring this to the attention of your department head, you are informed that halting the processing will disrupt ongoing digital initiatives and may affect state-level performance metrics. Moreover, you find that the consent withdrawal process is cumbersome, and many citizens are unaware of their rights under the DPDP Act.

You also learn that a prominent social activist is planning to file a complaint with the Data Protection Board against involuntary use of personal data, which could attract public scrutiny and legal action against the department.

- Identify and discuss the ethical issues involved in this case.
- What are the potential consequences for the department if the issue is not addressed transparently?
- How would you balance the need for efficient public service delivery with the obligation to protect citizens' data rights? (Answer in 250 words)

20

Ans

The case highlights violation of digital privacy | Art 21 | (Puttuswamy case) due to violation of Supreme Court judgement of Doctrine of Proportionality

Ethical issues involved

① Means vs end

→ while data privacy violated for service improvement → procedural propriety disregarded

② Slippery slope

- lays ground for future dubious use → thus grave consequences

③ Unaware citizens → about their rights. Thus enhanced role of civil servant → fiduciary duty

④ Betrayal of Trust → amounts to corruption

⑤ Violates Art 14 → equality → as no 'intelligible differentia' or 'rational nexus' with the goals

⑥ Kant's idea of categorical imperative → against duty ethics → do disclosure or data records

⑦ lack of citizen centric governance
→ no informed consent taken

⑧ Violates rules → executive overreach
→ violation of accountability issue
legislative

⑨ Digital encroaches → 'panopticon' and
surveillance state (eg China)

b) Consequences if not addressed

It may appear small but in long term has cascading effect

"Compromise between ^{best} good and better
not between good and evil"

Such compromise is frustian bargain
leading to:

1) Supreme Court litigation → may
lead to penalty / Accountability

2) legislative oversight by PAC after
audit → department might face
punitive measures

3) loss of trust if media trial

4) Violation of trusteeship relationship

↓
Personal issue for civil servant
↳ compromise integrity, honesty

loss of character

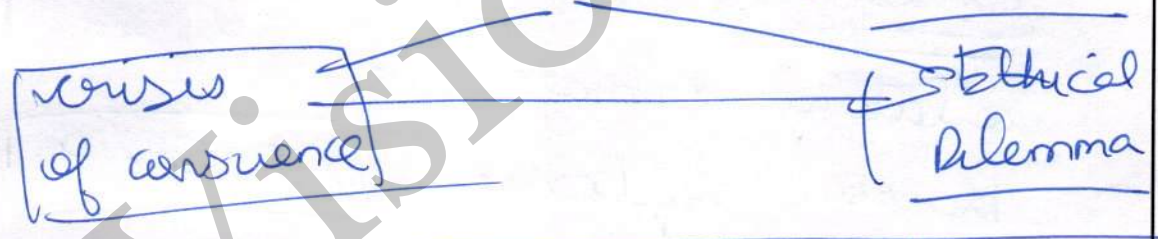
उम्मीदवारों को इस इशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

⑤ Procedural propriety $\xrightarrow{\hspace{2cm}}$ Bureaucratic high hurdle
↓
gap is Good Governance, democratic governance → may transition towards dictatorship autocracy

⑥ If litigation → long term data based governance under scrutiny → impact efficiency, effectiveness

⑦ snowball effect → citizen might not willing to share data → reduced cooperation in long run

⑧ Personal consequence for Joint Sect → devaluation of duty,



c) Balance efficient service delivery with obligation to protect rights

① If rules are made by executive (delegated legislation), they must be for a reason. Thus sidestepping is no solution

② Process only data required
↳ proportionality doctrine

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

③ Develop systems → which automatically delete data after work done

④ Citizen Charter and awareness about rights

⑤ Due disclosure and informed consent of citizen; aid digital literacy and provide grievance redressal

⑥ Innovation → other methods to do service improvement
(Meta Data, ERP software, SAP processes)

⑦ Doctrine of unintended consequences → try to mitigate collateral damage

⑧ Proactive disclosure → RTI Sec 4

"To ignore convenient reality, only comprehends it, to sidestep evil only multiplies it and to ignore the bully only invites the butcher
Integrity is important to avoid mistake turning into failure as what appears small ends up becoming a constitutional crisis.

Thus Good means for ends

Minerva Mills case

8.

आप एक IAS अधिकारी हैं और वर्तमान में एक पहाड़ी राज्य में लोक निर्माण विभाग के सचिव के पद पर कार्यरत हैं। हाल ही में, एक वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के दो अभियंताओं से जुड़ी एक गंभीर घटना सामने आई है। एक महत्वपूर्ण राजमार्ग परियोजना के निरीक्षण के दौरान, मंत्री को कथित रूप से एक वीडियो में सार्वजनिक रूप से अभियंताओं के साथ शारीरिक उत्पीड़न और अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हुए देखा गया। यह वीडियो वहां से गुजर रहे लोगों द्वारा रिकॉर्ड किया गया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया तथा टेलीविजन चैनलों द्वारा भी इसे व्यापक रूप से कवर किया गया, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों में आक्रोश और समर्थन दोनों देखने को मिला। बाद में मंत्री ने अपने कृत्य का बचाव करते हुए आरोप लगाया कि संबंधित अधिकारी भ्रष्ट हैं, स्थानीय शिकायतों के प्रति अनुत्तरदायी हैं और परियोजना में अत्यधिक विलंब के लिए जिम्मेदार हैं। मंत्री द्वारा यह भी कहा गया कि उसका व्यवहार जनता की निराशा और दूरस्थ क्षेत्र में समय पर अवसंरचना के निर्माण की आवश्यकता से प्रेरित था।

हालांकि, अभियंताओं ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। साथ ही, उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर यह दावा किया है कि उन्हें इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि उन्होंने मंत्री से जुड़े स्थानीय ठेकेदारों को ठेका देने के लिए डाले जा रहे राजनीतिक दबाव का विरोध किया था। स्थिति के अधिक गंभीर होने पर, NHAI अभियंताओं के एक संघ ने मंत्री के खिलाफ कार्रवाई और अधिकारी की गरिमा की रक्षा की मांग करते हुए हड़ताल की घोषणा कर दी। इसके कारण कई महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजनाएं ठप हो गई हैं, जिनमें जनजातीय क्षेत्रों में सड़क संपर्क, मानसून पूर्व मरम्मत कार्य और सामरिक सीमा सड़कें शामिल हैं।

मुख्य सचिव ने आपको तथ्यान्वेषण रिपोर्ट तैयार करने के साथ ही राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियों के बीच सुचारू समन्वय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इस बीच, मंत्री का कार्यालय आप पर अनौपचारिक रूप से घटना को कम महत्वपूर्ण दिखाने का दबाव बना रहा है। मीडिया दो भागों में बंटा हुआ है — कुछ मंत्री को भ्रष्टाचार के विरुद्ध योद्धा के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं, जबकि अन्य इसे प्रशासनिक आचरण और विधि के शासन का गंभीर उल्लंघन बता रहे हैं। विभिन्न विभागों के सिविल सेवकों ने व्यक्तिगत सुरक्षा, गरिमा और राजनीतिक हस्तक्षेप की बढ़ती घटनाओं के संबंध में चिंता व्यक्त की है, वहीं अवरुद्ध अवसंरचना कार्यों के कारण नागरिकों में भी असंतोष बढ़ रहा है।

- (a) इस प्रकरण में शामिल प्रमुख नैतिक मुद्दे क्या हैं? हितधारकों और उनके परस्पर विरोधी हितों की पहचान कीजिए।
- (b) लोक निर्माण विभाग के सचिव के रूप में, आप उपर्युक्त स्थिति में क्या कार्रवाई करेंगे?
- (c) ऐसी घटनाएं सिविल सेवकों के मनोबल और शासन में जनता के विश्वास को कैसे प्रभावित करती हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are an IAS officer, currently serving as the Secretary of the Public Works Department in a hill state. Recently, a disturbing incident has come to light involving a senior Cabinet Minister and two engineers of the National Highways Authority of India (NHAI). During an inspection of a critical highway project, the Minister was allegedly seen on video physically assaulting and verbally abusing the engineers in full public view. The video, recorded by bystanders, went viral on social media and was widely covered by television channels, sparking both outrage and support from different sections of society. The Minister later defended his actions, alleging that the officials were corrupt, unresponsive to local grievances, and responsible for inordinate delays in the project. He insisted that his actions were driven by public frustration and the urgency of delivering infrastructure to a remote region.

However, the engineers have filed a police complaint and written to their superiors, claiming they were targeted for resisting political pressure to award contracts to specific local contractors linked to the Minister. As the situation escalated, a union of NHAI engineers declared a strike,

demanding action against the Minister and protection of officer dignity. This has brought several critical infrastructure projects to a standstill, including road connectivity to tribal areas, pre-monsoon repair works, and strategic border roads.

You have been directed by the Chief Secretary to prepare a fact-finding report, while also ensuring smooth coordination between state and central agencies. Meanwhile, the Minister's office is informally pressuring you to downplay the incident. The media is sharply divided — some portraying the Minister as a crusader against corruption, others condemning the act as a serious breach of administrative ethics and rule of law. Civil servants across departments have expressed concern about personal safety, dignity, and increasing political interference, while citizens are now growing restless due to halted infrastructure works.

- (a) What are the key ethical issues involved in this situation? Identify the stakeholders and their conflicting interests.
(b) As the Secretary of the PWD, what actions will you take in above situation?
(c) How do such incidents affect the morale of civil servants and public trust in governance?
(Answer in 250 words)

20

Ans
On the surface, the incidents appears to highlight
→ impropriety and unbecoming conduct of ~~some~~ public servant
→ tussle between permanent and temporary executive
→ issue of federalism Centre VS State angle

a) Stakeholders identification

- 1) Minister → interest of public or private gain
- 2) Engineers → following call of duty or delay
- 3) Public → for whose benefit the fight is
- 4) Media → role in awareness but also using it for TRP Masala

- Government → Under Centre but work in State
- 5) agencies
- Entire government → Image getting discoloured
- 6) machinery
- 7) IAS officers → truth in report
Quasi Judicial function
- 8) Entire lobby of bureaucrat → want safety, dignity
- 9) Contractors → delay in payment, often seen negatively

Key Ethical Issues

- 1) Corruption in govt projects
- 2) Issue of 'condemnable conduct' that to on the road
- 3) Conflictory work, no collaboration
- 4) Issue of 'impartiality' and 'impartiality'
- 5) Value neutral bureaucracy → VS committed bureaucracy
- 6) Delay → non performance of duty is corruption → strike

b) As Secretary → Balance all stakeholders

- 1) 70ist → call off strike → as impact on citizens → no purpose. using as collateral
- 2) Ensuring timely completion of existing projects → efficiency must not be compromised
- 3) Request media → no need of media trial → Objectivity important
- 4) Creation of committee → should have all stakeholders → trust in process
- 5) 2 problems dealt separately

Issue of <u>truth</u> ↓ whether engineers derelicting on duty or undue influence	Issue of <u>behaviour</u> no ↓ justification ↓ Seek apology/ resignation from Minister
--	---
- 6) Enhance confidence of engineers → no threat to safety → If needed Police protection
- 7) Speedy report presentation → use eye witness, investigation to weath facts

8) Present report to Chief Secretary who shall take appropriate decision

9) Politely refuse Minister office → no leeway in investigation, instead assurance that done for Justice

① Public servants → servants of people not political masters →

② Feeling of loss of dignity → reduce zeal, apathy to work

c)

How affect morale of ~~statehood~~ public servants

→ ③ Develops culture of 'alibi', men Performance

→ ④ Violates 'esteem need' of an individual

⑤ Washing dirty linen in public

⑥ Question mark on integrity

↓
reduce authority

Ultimately all are serving the same stakeholder. Thus as PM says $1+1=11$ approach should be followed and collaboration should guide PM

$(a+b)^2 \rightarrow$ creates extra $2ab$ VS a^2+b^2

Also ethical training for proper conduct

9.

आप भारत सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (DoPT) में सचिव के पद पर कार्यरत हैं। हाल के वर्षों में, लोक सेवकों, विशेष रूप से IAS, IPS और IRS से संबंधित ऐसे युवा अधिकारियों की संख्या में वृद्धि हो रही है, जो अपने व्यक्तिगत यूट्यूब चैनल और सोशल मीडिया पेज बना रहे। इन प्लेटफार्मों पर, वे नियमित रूप से अपने आधिकारिक कार्यों — नवाचारी परियोजनाओं, जनसंपर्क पहलों, निरीक्षण यात्राओं और कभी-कभी दैनिक प्रशासनिक गतिविधियों - से संबंधित वीडियो भी पोस्ट करते हैं।

इन वीडियो पर प्रायः व्यापक रूप से जनता द्वारा ध्यान केंद्रित दिया जाता है और कई दर्शक यह कहते हुए इसकी सराहना करते हैं कि ऐसी सामग्री पारदर्शिता को बढ़ावा देती है, अभ्यर्थियों को प्रेरित करती है और नौकरशाही को मानवीय बनाती है। हालांकि, विभिन्न वर्गों से कुछ चिंताएं भी सामने आई हैं। वरिष्ठ अधिकारी तर्क देते हैं कि ऐसी सामग्री व्यक्तिगत ब्रांडिंग और लोक सेवा के बीच की सीमाओं को धुंधला कर सकती है, जबकि कुछ नागरिक और मीडिया विश्लेषक ऐसे उदाहरणों की ओर संकेत करते हैं, जहां वीडियो में बिना सहमति के सुभेद्य लाभार्थियों को दिखाया जाता है, आधिकारिक परिसरों का दुरुपयोग किया जाता है या ऐसा प्रतीत होता है कि वीडियो सार्वजनिक उत्तरदायित्व की तुलना में व्यक्तिगत लोकप्रियता बढ़ाने हेतु बनाए गए हैं।

एक प्रकरण में, एक जिलाधिकारी को एक विद्यालय के औचक निरीक्षण के दौरान शिक्षकों को कैमरे पर डांटते हुए देखा गया — यह वीडियो बाद में उनके व्यक्तिगत यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किया गया, जो मोनेटाइज भी है। कुछ लोगों ने अधिकारी द्वारा अपनाए गए सख्त रवैये की सराहना की, जबकि अन्य ने शिक्षकों को सार्वजनिक रूप से डांटने और सेवा की गरिमा का उल्लंघन करने की आलोचना की। एक अन्य मामले में, एक पुलिस अधिकारी को बाढ़ बचाव अभियान का निर्देशन करते हुए देखा गया, जहां उसके कर्मचारी ड्रोन कैमरे में माध्यम से इसे फिल्मा रहे थे, जिसे बाद में सोशल मीडिया के लिए एक प्रेरणादायक वीडियो के रूप में संपादित किया गया। आपको लोकहित, संस्थागत सत्यनिष्ठा और संचार के बदलते तरीकों के बीच संतुलन बनाए रखने हेतु अनुशंसाओं सहित एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है।

- लोक सेवकों द्वारा अपने आधिकारिक कार्यों को सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने के कृत्यों में शामिल नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।
- क्या ऐसी प्रथाएं जागरूकता और प्रेरणा को प्रोत्साहन देती हैं या क्या ये अनामिता, तटस्थता और सामूहिक सेवा भावना के मूल्यों से समझौता करती हैं? अपना मत दीजिए।
- सचिव के रूप में, लोक सेवकों की उत्तरदायी डिजिटल सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आप कौन-से मार्गदर्शक सिद्धांत और नीतिगत अनुशंसाएं सुझाएंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are the Secretary in the Department of Personnel and Training (DoPT), Government of India. In recent years, an increasing number of civil servants, particularly younger officers from the IAS, IPS, and IRS, have begun maintaining personal YouTube channels and social media pages. On these platforms, they regularly post videos related to their official work — showcasing innovative projects, public outreach initiatives, inspection drives, and sometimes even day-to-day administrative duties.

These videos often receive widespread public attention, and many viewers express admiration, saying such content enhances transparency, motivates aspirants, and humanizes the bureaucracy. However, concerns have also emerged from various quarters. Senior officers argue that such content may blur the boundaries between personal branding and public service, while some citizens and media commentators point to instances where videos feature vulnerable beneficiaries without consent, raise concerns about misuse of official premises, or seem designed more for personal popularity than public accountability.

In one case, a district magistrate was seen filming a surprise school inspection in which teachers were scolded on camera — the video was later posted to his personal YouTube channel that is also monetized. While some praised the officer's strictness, others criticized the public shaming of teachers and the breach of service dignity. In another case, a police officer was seen directing a flood rescue operation while his staff filmed drone footage, later edited into a motivational video for social media. You have been asked to prepare a report with recommendations to balance public interest, institutional integrity, and evolving modes of communication.

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- Identify the ethical issues involved in civil servants publicly showcasing their official work on social media.
- Do such practices promote awareness and motivation, or do they compromise the values of anonymity, neutrality, and collective service ethos? Give your opinion.
- As the Secretary, what guiding principles and policy recommendations would you suggest to ensure responsible digital engagement by civil servants? (Answer in 250 words) 20

The case is about glamorisation of public service, monetisation of duty and unnecessary display of internal work processes

Ethical Issues in displaying official work

- Violates anonymity of civil service
- Against AIIS conduct rules and Civil Service Conduct rules 1968
- Violates idea of servant leadership
↳ civil servant not masters
- False sense of admiration built → about notions of authority vs service
- Use of service as platform → personal fame → not a stepping stone
- If accountability not through

proper channel, it becomes arbitrary in nature

⑦ Violation of privacy → no informed consent of people displayed

b) Impact of such practices

- ① Provides awareness
- ② Due to fear of check → increases performance
- ③ citizen centric nature
↳ reduce gap between public and public servant
- ④ Way for social reform as public servant is role model

But it has to be done →
done rightly

Challenges in present way of doing

① Compromise all these values
Why?

anonymity
neutrality
service ethics?

- ① Done as form of marketing mechanism
- ② Civil servants boasting of becoming mini influencers
- ③ Content posted not about Social change but about

authority

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

④ If sweeping video online → does framing → way to gain attention
violates larger purpose → authority is just tool for action

⑤ Person lives displayed → no interest for larger public

⑥ Civil servant is implementation guy → thus all work within procedural norms → Backend closed doors

How to do if needed?

① Only promote best practices
② no need of public account → from official govt handles → power to chair, not person

③ After necessary due diligence
④ Avoid unnecessary stuff
(eg) Abhishek Singh IAS on controversy

c) Responsible Digital engagement → guidelines and steps

① Formulating Digital code of ethics

② Impersonalisation of content 45

↳ use as tool for information
(currency of democracy) and not
as content

- ③ Strict guidelines against posting about staff → their Act 21
- ④ Appropriate methods to engage digital audience
↳ live streaming of press conference
- ⑤ No personal life on public, no public life on personal account
↳ separate both as otherwise leads to misuse
- ⑥ Formality of content → should not be casual and loose

"Public service is not way of life, but way to live fully"
The joy of public service should be not be driven by exercise of authority, but internal happiness of creating impact. Sophist idea
Thus focus on individual should be on good work done and not publicity. Publicity shall be done by proper channel

10.

आप नेशनल बायोएथिक्स कमीशन के निदेशक हैं, जो एक राष्ट्रव्यापी जीन अनुक्रमण कार्यक्रम की नैतिक व्यवहार्यता और निगरानी का आकलन करने के लिए उत्तरदायी हैं। "जीन फ्यूचर" नामक इस परियोजना का उद्देश्य प्रत्येक नवजात शिशु के डी.एन.ए का अनुक्रमण करना और उसे एक केंद्रीकृत राष्ट्रीय डेटाबेस में संग्रहीत करना है। इसका उद्देश्य जीवन की प्रारंभिक अवस्था में ही गंभीर बीमारियों के प्रति आनुवंशिक प्रवृत्तियों की पहचान करना है, ताकि निवारक उपचार और वैयक्तिकृत चिकित्सा संभव हो सके। इस कार्यक्रम के प्रायोगिक चरण में पहले ही 1,00,000 से ज्यादा शिशुओं को नामांकित किया जा चुका है। सरकार का दावा है कि यह जन स्वास्थ्य उन्नति की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

यद्यपि, नवजात शिशुओं के आनुवंशिक डेटा का संग्रह गंभीर नैतिक चिंताएँ उत्पन्न करता है, विशेष रूप से सूचित सहमति के संबंध में, जो संभवतः दीर्घकालिक जोखिमों के बारे में माता-पिता की समझ को पूरी तरह से नहीं दर्शाती है। एक बार एकत्रित हो जाने के बाद, इस संवेदनशील डेटा का दुरुपयोग निगरानी, बीमा भेदभाव या तृतीय पक्षों द्वारा व्यावसायिक विपणन जैसे उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। डेटा के स्वामित्व को लेकर अनिश्चितता—कि यह राज्य का है, माता-पिता का है, या उस बच्चे का है जब वह बयस्क होगा—इस मुद्दे को और जटिल बना देती है। निजी तकनीकी और दवा कंपनियों की संलिप्तता से वाणिज्यिक शोषण की आशंकाएं बढ़ जाती हैं, विशेष रूप से इस प्रकार के स्पष्ट तंत्र के अभाव में, जिसके तहत बयस्क होने पर व्यक्ति अपनी सहमति वापस ले सकता है या अपनी आनुवंशिक जानकारी को हटा सकता है।

- आपके विचार में जीन फ्यूचर कार्यक्रम के कार्यान्वयन में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?
- इस प्रकरण में विभिन्न हितधारकों के परस्पर विरोधी हितों की पहचान कीजिए।
- इस परियोजना के कार्यान्वयन के लिए आप किन मार्गदर्शक नैतिक सिद्धांतों की अनुशंसा करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are the Director of the National Bioethics Commission who is responsible for assessing the ethical feasibility and oversight of a nationwide gene sequencing program. The project named GeneFuture, aims to sequence the DNA of every newborn child and store it in a centralized national database. The objective is to identify genetic predispositions to serious diseases early in life, allowing for preventive treatment and personalized medicine. Over 100,000 babies have already been enrolled in the pilot phase of the program. The government claims that this move is a landmark step in public health advancement.

However, collection of newborn genetic data raises significant ethical concerns, particularly around informed consent, which may not fully capture parents' understanding of the long-term risks involved. Once gathered, this sensitive data could be misused for purposes such as surveillance, insurance discrimination, or commercial marketing by third parties. Uncertainty over data ownership—whether it lies with the state, parents, or the individual as they mature—further complicates the issue. The involvement of private tech and pharmaceutical companies heightens fears of commercial exploitation, especially in the absence of clear mechanisms for individuals to withdraw consent or delete their genetic information upon reaching adulthood.

- What are the ethical issues you perceive in the implementation of the GeneFuture program?
- Identify the conflicting interests of different stakeholders in this case.
- What guiding ethical principles would you recommend for implementation of this project? (Answer in 250 words)

20

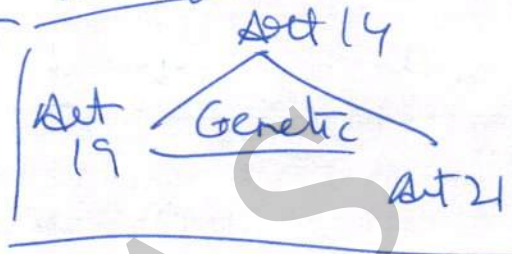
The issue highlights individual VS societal conflict around genome privacy. The larger idea is about

long term consequences → both seen and unseen which are also given for genome editing

a) Ethical Issues in the case

1) ~~Right~~ Genetic privacy of individual

2) Uniformed consent
is no consent
→ influence all three



3) Issue of transparency, accountability
→ in long run

4) Agency issue → who is owner of data

5) Limits to parents' Patre → How much autonomy should individual surrender

6) Fear of corporate greed → commerce without morality

→ Procedural lapses → How to delete data, timeline for data use

8) Treating individuals as 'instruments' → not ends → (Kantian ethics)

9) Consequentialism → But utility for whom?

b)

Different stakeholders



उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Conflicting Interests

- ① Scientific community needs data for breakthrough but may make individual as Igureia pigs
- ② Ethics of longtermism → Impact on long term interest of children → What's in his best interest?
- ③ Who decides consent of new born? → Parents are unaware
- ④ Government → wants maximum benefit for maximum, but doesn't want disproportionate impact on few
- ⑤ Private Companies → want such information as maximum

profit, but may violate individual dignity

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

c) Guiding Principles in this project

- ① Undertake long term risk assessment, prevent comprehensive mitigation plan
- ② Involve all stakeholders in plan formulation → consensus only when agreed → not forced
- ③ Comprehensive disclosure to parents
↳ no coercion
- ④ Undertake pilot project → evaluate impact and risks
- ⑤ Learn best practices from other countries
- ⑥ Envisage long term impact

Envision ↓ future consequence	→ Enable + provide enabling ecosystem	→ Empower ↓ withdraw consent
--	---	---------------------------------------
- ⑦ Full transparency



⑧ Treat each case at merit →
• need only 10,000 → so qualitative
• [data collected] → Doctrine of
Minimum harm

⑨ [Ethics of bad choices] → every
decision has some challenge

["The art of civil servant is knowing
what to leave and what to stick"]

→ Equality, dignity, privacy, expression
non negotiable, profits can be
wait

⑩ Create robust timeline, proactive
disclosure, grievance redressal
framework

While the policy has good ends,
it should not be instrumentalist
and balanced with good means.

If privacy is destepped, it
erodes [democratic trust], creates
risk of [technofeudalism], [neoslavery]
and [autocratic surveillance state]

आप एक समर्पित जिला स्वास्थ्य अधिकारी (DHO) हैं और आप साक्ष्य-आधारित जन स्वास्थ्य पद्धतियों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता रखते हैं। हाल ही में, आपको भारत के एक दूरस्थ जिले में नियुक्त किया गया है। आपका तात्कालिक और सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य एक प्रमुख जिला-व्यापी खसरा-रूबेला (MR) टीकाकरण अभियान का नेतृत्व करना है, जिसका उद्देश्य 9 महीने से 15 वर्ष की आयु के बच्चों में 100% टीकाकरण कवरेज प्राप्त करना है। इस अभियान की सफलता हजारों बच्चों के सामूहिक स्वास्थ्य और जिले के समग्र स्वास्थ्य संकेतकों के लिए महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से तब जब आने वाला मानसून का मौसम स्वास्थ्य संबंधी अतिरिक्त चुनौतियां उत्पन्न कर सकता है।

हालांकि, आपके जिले के सबसे बड़े और सबसे पारंपरिक गाँवों में से एक में, आपको अत्यधिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है। एक प्रतिष्ठित स्थानीय आध्यात्मिक गुरु के उपदेशों से अत्यधिक प्रभावित ग्रामीणों का दृढ़ विश्वास है कि टीकाकरण दुष्ट आत्माओं का आक्रमण है एवं बाहरी ताकतों द्वारा उनकी आबादी को नियंत्रित करने का एक प्रयास है और यह उनके बच्चों में बांझपन का कारण बनेगा। वे ज़ोर देकर कहते हैं कि उनके पारंपरिक औषधीय उपचार और अनुष्ठानिक आशीर्वाद ही पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करते हैं। यह आध्यात्मिक गुरु, जो वास्तव में नेकनीयत किंतु अडिग व्यक्ति है, वास्तविक रूप से मानते हैं कि ये टीके हानिकारक होते हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपने अनुयायियों को इसका विरोध करने की सलाह दी है। इसके लिए वह टीकाकरण की कुछ कथित 'विफलताओं' और प्राचीन भविष्यवाणियों का उदाहरण देता है। पारंपरिक जीवन-शैली का पालन करने वाले समुदाय के लिए उसके निर्देश या सलाह सर्वोपरि हैं। इसके कारण व्यापक जागरूकता अभियानों के बावजूद, गाँव में टीकाकरण शिविरों का लगभग पूर्ण बहिष्कार किया गया है। आपके स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को, जिनमें से कुछ स्थानीय हैं और जिन्हें सामाजिक बहिष्कार या यहाँ तक कि शारीरिक हमले का भय है, तीव्र विरोध का सामना करना पड़ रहा है। राज्य स्वास्थ्य विभाग टीकाकरण लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अत्यधिक दबाव बना रहा है और चेतावनी दे रहा है कि यदि कोई ज़िला इन लक्ष्यों को पूरा नहीं करता है तो उसके गंभीर परिणाम होंगे। साथ ही, विभाग ने यह भी निर्देश दिया है कि बल प्रयोग किसी भी परिस्थिति में न किया जाए क्योंकि इससे जन असंतोष उत्पन्न हो सकता है। साथ ही, विभाग ने 'सहमति-आधारित' लोक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने पर भी बल दिया है। इसी बीच, एक बड़ा वार्षिक मेला आयोजित होने वाला है जिसमें कई गाँवों और क्षेत्रों से लोग शामिल होंगे। यदि यह गाँव बिना टीकाकरण के रह गया, तो इससे खसरा-रूबेला (MR) के प्रकोप के प्रसार का तात्कालिक और गंभीर खतरा है, जो पूरे जिले और संभवतः उससे आगे तक फैल सकता है।

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- इस विरोध को शांत करने के लिए आपके पास तत्काल क्या विकल्प उपलब्ध हैं?
- अंधविश्वास के व्यापक प्रभाव को दूर करने और संधारणीय लोक स्वास्थ्य परिणामों हेतु वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए आप कौन-सी दीर्घकालिक रणनीतियां और प्रणालीगत सुधारों का सुझाव देंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a dedicated District Health Officer (DHO) with a strong commitment to evidence-based public health practices, recently assigned to a remote district in India. Your immediate and most critical task is to lead a crucial district-wide Measles-Rubella (MR) vaccination drive, aimed at achieving 100% immunization coverage among children aged 9 months to 15 years. The success of this drive is vital for the collective health of thousands of children and for the district's overall health indicators, especially with the impending monsoon season posing additional health challenges.

However, in one of the largest and most traditional villages in your district, you encounter formidable resistance. The villagers, deeply influenced by the pronouncements of a revered local

spiritual leader, firmly believe that vaccinations are an intrusion by malevolent spirits, an attempt by external forces to control their population, or will cause infertility in their children. They insist that their traditional herbal remedies and ritualistic blessings are sufficient protection. This spiritual leader, a genuinely well-meaning but unyielding figure, sincerely believes these vaccinations are harmful and has publicly advised his followers against them, citing anecdotal 'failures' and ancient prophecies. His word is paramount for the community's adherence to traditional ways of life. This has led to an almost complete boycott of the vaccination camps in the village, despite extensive awareness campaigns. Your health workers, some of whom are local and fear social ostracization or even physical harm, are facing intense hostility. The state health department is exerting immense pressure to achieve targets, warning of severe consequences for any district failing to meet the immunization goals. Simultaneously, they strictly caution against any use of force that could lead to public unrest, emphasizing the need for 'consensus-based' public health. An impending large annual fair, which will draw crowds from multiple villages and regions, heightens the immediate and severe risk of a rapid MR outbreak if this village remains unvaccinated, posing a grave threat to the wider district and potentially beyond.

- (a) Discuss the ethical issues involved in the above case.
(b) What are the immediate options available to you to overcome this resistance?
(c) What long-term strategies and systemic reforms would you suggest to address the pervasive influence of superstition and foster a scientific temperament for sustainable public health outcomes? (Answer in 250 words)

20

The case highlights importance of participative governance, trust in governance and limitations of top down approach in achieving welfare

a) Ethical issues involved

- ① Issue of cultural relativism of Tribals
- ② Against established scientific policies
- ③ Threat to safety, public health in fair
- ④ Issue of consent in terms of Vaccine Skepticism

⑤

Bureaucratic
Values

Traditional
Values

→ shows gaps

- ⑥ whether use of force in larger interest?
- ⑦ limits to choice → impact on larger public welfare
Utilitarian ethics

b) Immediate Options to Overcome resistance

- ① Use of force to give vaccine in name of public health
- ② Persuasion and pressure on community members
- ③ Propagation of facts about vaccine → no harm. To respond to rationality [Act SIA]
- ④ Building scientific temper and trust in community. This can be done by spending time with people
(eg Gandhi's time in Champaran)
- ⑤ Coercion of the leader who is reversed
- ⑥ Searching of alternate leader

whose words carry weight

My solution

↳ Build on persuasion ⇒ ⇒ ~~spe~~

↓
Spend time with villagers

↓
unstill trust, ~~pe~~ influence leader

↓
Eventually find people who can start process (eg family members of Govt)

↓
Eventually create chains

c) Long Term strategies and Systemic reforms → for overcoming influence

- ① Continuous 2 way interaction between administration & villagers
- ② Proactive disclosure of information
- ③ Invite villagers into vaccine labs, build exposure
- ④ Enrolment of children in ~~ch~~ education → scientific education

Agents of social change

⑤ Compassionate Governance

(eg) Compassionate (Kozhikode)

If leader has empathy,

- people listen
- ⑥ Mandatory take by government servant → disclosure propagated (eg PM taking vaccines)
 - ⑦ Ensure due diligence → no hurry in vaccine (eg ICMR suspended wide trials in COVID 19)
 - ⑧ ~~Vaccine re~~ Awbing fake news → build superstition (eg Information warfare threat)
 - ⑨ larger scale → Gandhi's talisman

long Term strategies are personal and cultural oriented. The challenge can be solved by broadbasin idea of 'Antodya'. If citizen feels public servants are for their welfare, there will be synergy

Besides public servants should enjoy such challenges Anti fragility as gives opportunity to do good work

"We are small men doing great cause, but since cause is great some greatness falls on us also"

आप एक अत्यंत प्रेरित और सिद्धांतवादी प्रधान ग्राम पंचायत सचिव हैं। हाल ही में, आपको एक दूरस्थ जिले में स्थित एक बड़े और सामाजिक-आर्थिक रूप से विविधतापूर्ण गाँव में पदस्थ किया गया है। आपका तात्कालिक और सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य 'ग्रामीण आवास योजना' के लाभार्थियों का सावधानीपूर्वक सत्यापन करना है — यह राज्य की एक प्रमुख आवासीय योजना है, जिसका उद्देश्य वास्तव में गरीब और भूमिहीन परिवारों को 'पक्का' (ईंटों से बना) घर उपलब्ध कराना है। इस योजना की समय-सीमा बहुत कम है और निधियों की प्राप्ति सटीक व त्वरित लाभार्थी चयन पर निर्भर करती है। जिला कलेक्टर की ओर से निष्पक्षता और पारदर्शिता पर बल देते हुए किसी भी कदाचार के विरुद्ध स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गयी है।

वार्ड क्रमांक 3 में घर-घर जाकर मेहनत से किए गए आपके सत्यापन के दौरान, आपको पता चलता है कि श्री इंद्र सिंह, एक व्यापक रूप से स्वीकृत 'बाहुबली' व्यक्ति है, जिसके परिवार के पास अपनी भूमि और व्यापक स्थानीय नेटवर्क की वजह से महत्वपूर्ण अनौपचारिक शक्ति और प्रभाव है, को अस्थायी रूप से एक पात्र लाभार्थी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। अवस्थिति पर आपके द्वारा किए गए आकलन से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि श्री सिंह एक विशाल, बहुमंजिला 'पक्के' घर में रहता है और उसकी वित्तीय स्थिति 'गरीबी रेखा से नीचे' जीवन-यापन करने वाले परिवारों हेतु योजना के सख्त पात्रता मानदंडों से काफी ऊपर है। जब आप उसकी पात्रता पर प्रश्न उठाते हैं, तो श्री सिंह अत्यधिक आक्रामक हो जाता है। वह अपने परिवार के गाँव में 'अद्वितीय योगदान' और चल रहे उच्च प्राथमिकता वाले जिला स्तरीय 'जल सुरक्षा अभियान' के लिए समर्थन जुटाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का हवाला देता है। वह स्पष्ट रूप से कहता है कि उसका नाम हटाने की किसी भी कोशिश को न केवल एक गंभीर व्यक्तिगत अपमान माना जाएगा, बल्कि इससे उनके परिवार द्वारा जल अभियान से महत्वपूर्ण समर्थन भी वापस लिया जा सकता है, जिससे पूरे जिले के प्रयास खतरे में पड़ सकते हैं और इससे हज़ारों किसान प्रभावित होंगे। उसने आगे चेतावनी दी कि वह भविष्य में होने वाले विकास कार्यों के विरुद्ध व्यापक स्थानीय प्रतिरोध को उग्र कर सकता है, जिससे पंचायत का कामकाज पूरी तरह ठप्प हो जाएगा।

आप अच्छी तरह जानते हैं कि कई वास्तविक रूप से ऐसे गरीब परिवारों है जो जीर्ण-शीर्ण झोपड़ियों में रहते हैं और दशकों से ऐसी सहायता का इंतज़ार कर रहे हैं। श्री सिंह को शामिल करने से उनमें से किसी एक परिवार को अन्यायपूर्ण तरीके से बाहर करना होगा। आपके खंड विकास अधिकारी (BDO), राज्य के लक्ष्यों को पूरा करने के भारी दबाव में, आपको व्यक्तिगत तौर पर 'विनम्र' होने और सभी सरकारी योजनाओं के सुचारु क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए 'समग्र शांति और सहयोग' को प्राथमिकता देने की सलाह देते हैं। उन्होंने यह संकेत दिया है कि श्री सिंह जैसे प्रभावशाली व्यक्तियों को चुनौती देने से आपके पूरे कार्यकाल में 'अनावश्यक बाधाएं' उत्पन्न हो सकती हैं और आपकी भावी नियुक्तियां भी प्रभावित हो सकती हैं। ग्राम समुदाय, श्री सिंह के अनुचित दावे को जानकर भी, उनके विरुद्ध खुलकर बोलने से डरते हैं, जिससे उनकी अयोग्यता की बाह्य पुष्टि कठिन हो जाएगी और आप इस विषय पर अकेले पड़ जाएंगे।

- आपके समक्ष विद्यमान संभावित प्रशासनिक और नैतिक दुविधाएं क्या हैं?
- आपके लिए उपलब्ध सभी विकल्पों पर चर्चा कीजिए।
- आप अपने निर्णय का नैतिक औचित्य सिद्ध करते हुए कौन-सी व्यापक कार्यवाही करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a highly motivated and principle-driven Gram Panchayat Secretary, recently posted in a large and socio-economically diverse village in a remote district. Your immediate and most critical task is the meticulous verification of beneficiaries for the 'Gramin Awas Yojana' – a flagship state housing scheme aimed at providing 'pucca' (brick) houses to the genuinely impoverished and landless households. The scheme is under tight deadlines, with funds

dependent on swift and accurate beneficiary selection. The District Collector has explicitly warned against any malpractices, emphasizing fairness and transparency.

During your diligent house-to-house verification in Ward No. 3, you discover that Mr. Inder Singh, a widely acknowledged 'strongman' whose family wields significant informal power and influence due to their landholdings and extensive local network, has been provisionally listed as an eligible beneficiary. Your on-ground assessment unequivocally reveals that Mr. Singh resides in a sprawling, multi-story 'pucca' house and his financial status is demonstrably far above the scheme's strict eligibility criteria for 'Below Poverty Line' families. When you subtly question his eligibility, Mr. Singh becomes overtly aggressive, citing his family's 'unparalleled contribution' to the village and his crucial role in mobilizing support for the ongoing, high-priority district-level 'Jal Suraksha Abhiyan' (Water Conservation Campaign), where his active cooperation is currently indispensable. He bluntly states that any attempt to remove his name would not only be seen as a grave personal insult but could also result in his family's withdrawal of crucial support from the water campaign, potentially jeopardizing the entire district's efforts, which affects thousands of farmers. He further warns that he can incite widespread local resistance against future developmental works, effectively paralyzing the Panchayat's functioning.

You are keenly aware that several genuinely impoverished families, living in dilapidated shacks, have been waiting for decades for such assistance, and Mr. Singh's inclusion would directly mean one of them is unjustly excluded. Your Block Development Officer (BDO), under immense pressure to meet state targets, has privately advised you to be 'flexible' and prioritize 'overall peace and cooperation' to ensure the smooth rollout of all government schemes, hinting that challenging influential individuals like Mr. Singh might create 'unnecessary roadblocks' for your entire tenure and even impact your future postings. The village community, while silently aware of Mr. Singh's undue claim, fears openly speaking against him, making external validation of his ineligibility difficult and adding to your isolation.

- (a) What are the potential administrative and ethical dilemmas you face?
(b) Discuss all options available to you.
(c) What comprehensive course of action would you choose to adopt, providing ethical justification for your decision? (Answer in 250 words) 20

Ans 12

Misplaced sympathy with wrongdoer only rears greater wrongdoing. Wrongful benefit in one ~~case~~ case cannot be overlooked for good work other wise wise. Not only it sets bad precedent, but also questions the intent of any good deed.

a) Potential Administrative dilemmas

- 1) Scheme may come to deadlock
- 2) Funds may lapse
- 3) Issue of exclusion and

inclusion

- 4) Delay in larger benefit of stakeholder and other schemes
- 5) Overall public services jeopardised

उम्मीदवारों को इस क्राशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Ethical Dilemmas

- 1) Faustian bargain with evil
- 2) "To know what is right and not do is worst form of cowardice"
- 3) Courage of (conviction and crisis) of conscience
- 4) Issue of Justice, equality
- 5) Utilitarian ethics vs Duty ethics
→ Should we ignore duty for larger benefits.
- 6) Ethics of longtermism → long term consequences
- 7) Compassion with various people in Panchayat

5) Options available

"I will not cut my conscience to suit this years fashions"

Option can not be compromising with evil, but about mitigating it through problem solving approach.

- ① Stopping the programme by excluding Mr Singh
- ② Trying to convince Mr Singh of change of thought

Option available → ③ Punitive action against Mr Singh for wrongdoing

④ larger investigation → finding other wrongdoers

⑤ Discussing matter with superior, asking guidance

c) Comprehensive Action → series of process

① Comprehensive investigation of status quo and examination of records concerning all stakeholders

② Special study on Mr Singh

② Sharing correspondence with District Administration

Persuasion of Mr Singh, tell about long term loss of such behaviour and petty benefit VS huge cost

Yes
↓
matter closed

No
↓

① Explore criminal action for wrongdoing

② Find evidence

③ Find alternate people who could support other programme | Good Samaritans |
or

Crowd funding

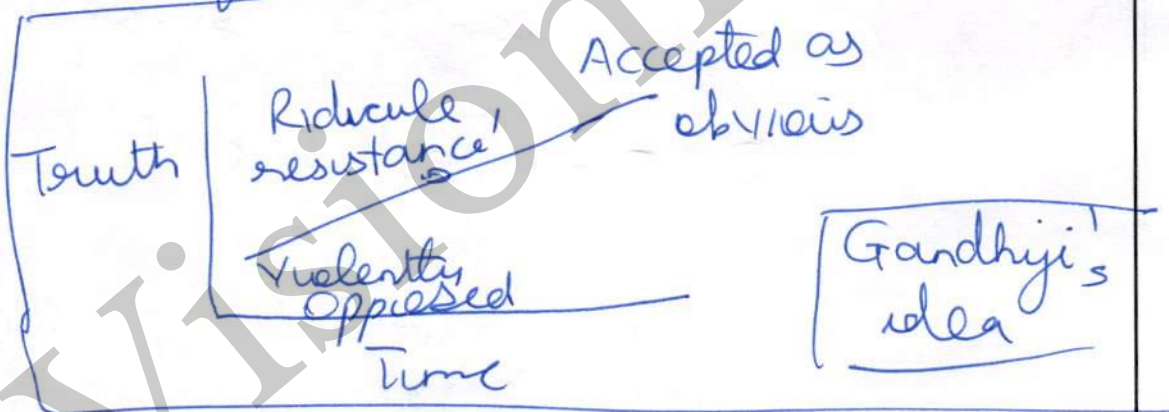
Justification

① Government servant can't do dereliction of duty

② No bullying even for biggest welfare

- ③ Persuasion → overcome ignorance → rightful conduct
- ④ If person follows just path → other citizens help
- ⑤ Can't allow oppression of citizens by henchmen
- ⑥ Semors appraised of actions

If no one responds to call, one should walk alone 'Ekla Chalo' to call of Truth



Patent action will yield result
 "Dheere Dheere Ke Mana"
 - Kabir

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

AL

VisionIAS